शा. दिग्विजय स्वशासी पी.जी. महाविद्यालय,
राजनांदगाँव, (छ.ग.)

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र: 2023-2024

वनस्पति शास्त्र विभाग

शा. दिग्विजय स्वशासी पी.जी. महाविद्यालय,

राजनांदगाँव, (छ.ग.)

वनस्पति शास्त्र परिषद् का गठन

महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में व वनस्पति शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर के नेतृत्व में वनस्पति शास्त्र परिषद् का गठन किया गया जिसमे निम्न पदाधिकारी मनोयनित किए गए:

अध्यक्ष – जमुना चन्द्रवंशी
उपाध्यक्ष – कुशाल साहू
सचिव – अतुल बोरकर
संयुक्त सचिव – लोकेश्वर देवांगन

इस परिषद् के बैनर तले ही विभागीय गतिविधिया आयोजित की जाएँगी |

अध्ययन मंडल की बैठक

महाविद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर के नेतृत्व में अध्ययन मंडल की बैठक दिनांक 13/05/2023 को आयोजित हुई | इस बैठक में डॉ. उषा चंदेल,सहा. प्रा. शा. डॉ. वा.व. पा महिला पी. जी. महा. दुर्ग, डॉ. प्रतीक्षा पाण्डेय, सहा. प्रा. भिलाई महिला महा., भिलाई, डॉ. जी. के. चंद्रोल, सहा. प्रा. कल्याण महाविद्यालय भिलाई सहित विभाग के सहा. प्रा. डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, श्री मोहित साहू एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थी सम्मिलित हुए |

विभागीय गतिविधिया संक्षिप्त में :

5 सितंबर 2023 को वनस्पति शास्त्र विभाग में दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनीता महेश्वर के निर्देशन में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गया | यह कार्यक्रम एमएससी वनस्पति शास्त्र के विधार्थियो द्वारा मनाया गया

दिनांक 27/09/2023 शा. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर के निर्देशन में विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया गया।

वनस्पति शास्त्र विभाग में दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष एवं अन्य प्राध्यापक गण के साथ-साथ एमएससी प्रथम एवं अंतिम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे |

दिनांक 30/ 11 /2023 को वनस्पति शास्त्र विभाग में सर जगदीश चंद्र बोस जयंती मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियो द्वारा सर जगदीश चंद्र बोस के जीवन परिचय एवं वनस्पति शास्त्र में उनके योगदान के बारे में बताया गया |

दिनांक 14/12/2023 राष्ट्रीय उर्जा संरक्षण दिवस मनाया गया | जिसमे उर्जा के विभिन्न रूप एवं इसका संरक्षण कैसे किया जा सकता है, बताया गया |

दिनांक 09/01/2024 को हमारे वनस्पति शास्त्र विभाग में डॉ. हरगोबिंद खुराना जयंती मनाया गया। इस अवसर पर हमारे विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता महिस्वर एवम समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

दिनांक 10/08/2023 को विभाग में स्नात्कोतर कक्षा के विद्यार्थियो के लिए नेट एवं सेट परीक्षा की तयारी हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया | जिसका लगभग 83 विद्यार्थियो ने लाभ लिया |

दिनाक 03-08 अक्टूबर 2023 को स्नात्कोत्तर के विद्यार्थियो द्वारा हेतु शैक्षणिक भ्रमण के पुरी उड़ीसा गए | भ्रमण दल में सदस्यों कि संख्या 30 थी जिसकी अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर एवं मोहित साहू ने किया | शैक्षणिक भ्रमण के द्वाराण विद्यार्थियो ने जगन्नाथ भगवान के दर्शन किया एवं चिल्का लेक, कोणार्क मंदिर, धवलगिरी का भ्रमण किया | इसके अतिरिक्त विद्यार्थियो ने भगवान बुद्ध के दर्शन किए और केसू फारेस्ट तथा विभिन्न मसाले जैसे लौंग इलाइची दालचीनी छबीला कालीमिर्च इत्यादि के पौधे तथा वनस्पतियो कि विभिन्न प्रजाति भी देखा यहाँ विद्यार्थियो ने लुप्तप्राय वनस्पतिया एवं जंतु देखे | यहाँ जन्तुओ में एमु, वाइट टाइगर, बंगाल टाइगर, जेब्रा, जीराफ, लायन, भालू, विभिन्न प्रकार के घड़ियाल, मगरमच्छ, सांफ, चिड़िया कि विभिन्न प्रजातीया देखि | वनस्पतियो में *Cupresuss, Justicia cymosa, Nyctejaneceae, Euphorbeceae, cesalpinodi, Achantheceae, Verbanaceae, Cleorodendron, Apocinaceae,* पौधे देखे एवं इनका अध्ययन किए |
यहाँ विद्यार्थियो ने उड़ीसा के जलवायु एवं इकोसिस्टम का अध्यनन किया |

दिनांक 10/10/2023 को वनस्पति शास्त्र विभाग में स्कूल के छात्राओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम रखा गया , जिसमे शा. उ.मा. शाला कन्हारपुरी राजनांदगाँव के 11 वी एवं 12 वी (विज्ञानं संकाय) के विद्यार्थिगन विभाग में उपस्थित रहे |

MOU गतिविधि के अंतर्गत कार्यक्रम:

दिनांक 25 एवं 26 अगस्त 2023 को वनस्पति शास्त्र एवं माइक्रोबायोलोजिकल सोसाइटी इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में MOU गतिविधि के विभिन्न महाविद्यालय और नीरज पब्लिक स्कूल, वेस्लियन स्कूल, रॉयल कॉलेज एवं दिगिव्जय महाविद्यालय में वायरल डिजीज विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया | जिसमे विद्यार्थियो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया |
दिनांक 11/12/2023 को डॉ. जी. के. चंद्रोल, सहा. प्रा. कल्याण महाविद्यालय भिलाई द्वारा व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया गया |
दिनांक 11/12/2023 को डॉ. सतिश सेन, सहा. प्रा शा. वी, वाय टी पी जी, महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा 'awareness in trends in technologies' पर व्याख्यान दिया गया |
दिनांक 12/12/2023 को शा. व्ही. वाई. टी पी जी महाविद्यालय दुर्ग के डॉ. जी.एस. ठाकुर सहायक प्राध्यापक ने एम्.एस. सी. I sem एवं III सेमेस्टर के विद्यार्थियो से समूह चर्चा में सहभागिता की |
दिनांक 13/12/2023 को शा. कमलादेवी राठी महिला महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्रो. संजय कुमार मिश्रा ने कैरियर गाइडेंस विषय पर व्यख्यान दिया |

दिनांक 13/12/2023 को शा. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय डोंगरगांव के सहा. प्रा. श्री मन्नू लाल नायक ने एम् एस सी I एवं III छात्रोंओं के साथ वनस्पति शास्त्र विषय से सम्बंधित समूह चर्चा कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में सहभागिता दी |

विद्यार्थियो का उत्कृष्ट प्रदर्शन

दिनांक 01/02/2024 को दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ द्वारा "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ एवं महिला एवं

बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ : इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित हुई | भाषण प्रतियोगिता जिसका शीर्षक “बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ” था में वनस्पति शास्त्र विभाग की छात्रा कु. भानु उइके ने प्रथम स्थान प्राप्त किया |
इसी कड़ी में दिनांक 2 फरवरी 2024 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की छात्राओं कु. उषा साहू , कु. टिंकल पिस्दा, कु. भानु उइके, और कु. मनीषा साहू को पुरस्कार प्राप्त हुआ |
दिनांक 17 फरवरी 2024 को महाविद्यालय में आनंद मेला का आयोजन किया गया था जिसमे एम्. एस. सी, तृतीय सेमेस्टर के विद्याथियो ने मिर्ची भजिया, चना दाल बड़ा एवं गाजर हलवा का स्टाल लगाया था, जिसमे तेजेस्वानी एवं ग्रुप को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ |

वनस्पति शास्त्र विभाग के M.Sc. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियो द्वारा वार्षिक कार्यक्रम के डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा स्पोर्ट्स में साईकिल दौड़ में कु. उषा साहू एवं महेदी प्रतियोगिता में कु. प्रीति साहू ने क्रमशः दुतिया एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया |

वार्षिकोत्सव में एम. एस. सी. तृतीय सेमेस्टर के विद्याथियो का उत्कृष्ट प्रदर्शन

शैक्षणिक स्टाफ की गतिविधिया एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन:

डॉ. अनिता महिस्वर NEP केंद्रीय पाठ्यक्रम समिति छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के बॉटनी विषय के सदस्य के रूप में चुनी गई | स्वशासी प्रकोष्ट, दिग्विजय महाविद्यालय द्वारा Rs. 50,000/- एक माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ | डॉ. अनिता महिस्वर द्वारा शा. दूधाधारी बजरंग महिला महाविद्यालय रायपुर में बायोटेक्नोलॉजी विषय में व्याख्यान दिया गया |

डॉ त्रिलोक कुमार ने छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग से स्वीकृत 6,80,000/- रूपये का मेजर प्रोजेक्ट पूर्ण किया l इनकी 3 रिसर्च पेपर, 1 पुस्तक एवं 3 बुक चेप्टर का प्रकाशन हुआl इन्हें दिसम्बर 2023 में नेशनल अवार्ड डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम समता अवार्ड एवं मार्च 2024 में एनवायरमेंटल साइंस इनोवेसन इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गयाl

डॉ. सोनल मिश्रा ने छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग से स्वीकृत 6,80,000/- रूपये का मेजर प्रोजेक्ट पूर्ण किया I इनकी 3 रिसर्च पेपर, 1 पुस्तक एवं 3 बुक चेप्टर का प्रकाशन हुआI इन्हें 2024 में गणतंत्र रक्षक साहित्य सम्मान अवार्ड से सम्मानित किया गयाI

इस सत्र में डॉ. केशव राम आडिल को SURB ANRF (SURE), नई दिल्ली से मेजर प्रोजेक्ट के अंतर्गत 28,93000/- स्वीकृत किया गया | स्वशासी प्रकोष्ट, दिग्विजय महाविद्यालय द्वारा Rs. 50,000/- एक माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ | इसके अतरिक्त डॉ. आडिल ने इस सत्र में पीयर रिव्यु शोध पत्रिका में एक रिसर्च पेपर एवं एक बुक का प्रकाशन हुआ है | डॉ. आडिल ने शा. महाविद्यालय, मानपुर, शा. गर्ल्स महाविद्यालय कवर्धा में अतिथि व्याख्यान दिया |

डॉ. केशव राम आडिल को मिला मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट

न्यूज डायरी

डॉ. केशव राम आडिल को मिला मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग में पदस्थ सहायक प्राध्यापक डॉ. केशव राम आडिल को साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसइआरबी), नई दिल्ली द्वारा लगभग 27 लाख कामेजररिसर्च प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है. यह प्रोजेक्ट एसइआरबी-स्टेट यूनिवर्सिटी रिसर्च एक्सीलेंस (एसयूआरइ) योजना के अंतर्गत मिला है। इस रिसर्च प्रोजेक्टके अंतर्गत डॉ. आडिल द्वारा मानव बाल में पाए जाने वाले प्रोटीन से नैनो फाइबर स्कैफोल्डका निर्माण कर,उसका रासायनिक गुणों का अध्ययन किया जाएगा. निकट भविष्य में इस बायो मटेरियल आधारित स्कैफ्फोल्ड कोमानव ऊतक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए एक स्मार्ट और बायोएक्टिव ऊतक ग्राफ्ट के रूप में विकसित किया जाएगा. इसके अ तिरिक्त डॉ. आडिल ने बताया कि नैनो फाइबर स्काफ्फोल्ड्स प्राकृतिक बायोमटेरियल से बनेगा तथा ये मानव, जीव- जंतु एवं पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होगा. उक्त प्रोजेक्ट कि अवधि 3 वर्षो कि होगी द्य दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी राशी का रिसर्च प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है. डॉ. आडिल ने इस हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाडेकर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिश्वर को विशेष धन्यवाद दिया, जिन्होंने इस कार्य कार्य हेतु मुझे लगातार सहयोग प्रदान किया. डॉ. आडिल के इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राध्यापको एवं कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त कि है.

इलेक्ट्रोस्पिन्निंग उपकरण पर कार्य करते हुए

इसके अतिरक्त डॉ.आडिल के निर्देशन में एमएससी के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियो द्वारा बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक एवं रूम फ्रेशर्नेर का उत्पादन किया गया | जिसकी प्राचार्य महोदय द्वारा बहुत सहारना की गई |

विद्यार्थियो द्वारा बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक एवं रूम फ्रेशर्नेर का प्रदर्शन

डॉ. किरण जैन को मिला बेस्ट वीमेन फैकल्टी अवार्ड 2023-24

डॉ. किरण जैन ने विभिन्न विभागीय कार्य में सहयोग प्रदान किया | डॉ. जैन ने अपने स्व. पति मनोज जैन के स्मरण में गोल्ड मैडल हेतु महाविद्यालय को Rs. 10,000/- कि सहयोग राशी भेट की | डॉ. किरण जैन ने विभाग एवं महाविद्यालय के विभिन्न समितियों के कार्यो में सहयोग प्रदान किया एवं विधार्थियो को प्रायोगिक कार्य में विशेष योगदान दिया | इसके अतिरिक्त डॉ. जैन को बेस्ट वीमेन फैकल्टी अवार्ड 2023-24 प्राप्त हुआ है |

श्री मोहित साहू ने विभाग एवं महाविद्यालय के विभिन्न समितियों के कार्यो में सहयोग प्रदान किया एवं विधार्थियो को प्रायोगिक कार्य में विशेष योगदान दिया |

वृक्षा रोपण कार्यक्रम

दिनांक 28/07/2023 को दिग्विजय महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग के सहयोग से प्राचार्य डा. के. एल. टाडेकर के मार्गदर्शन में महाविधालय प्रांगण में माननीय कुलपति डॉ. अरुणा पलटा एवं छात्र कल्याण अधिष्टाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा वृक्षा रोपण का कार्य किया गया। माननीय कुलपति महोदया द्वारा वृक्षा रोपण के कार्यक्रम की सहारना की और महाविद्यालय को हरा भरा बना कि रखने एवम वृक्षा रोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र के विभागाध्याक्ष डा. अनिता महेश्वर, सहायक प्रध्यापक डॉ. त्रिलोक कुमार, डा. सोनल मिश्रा, डा. केशव राम आडिल, डा. किरण जैन, मोहित साहू सर एवम एमएससी बॉटनी पूर्व व अंतिम के विधार्थी उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

पर्यावरण संरक्षण के लिए एक-एक पौधे जरुर लगाये- डॉ. पल्टा

राजनांदगांव. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव की गरिमामय उपस्थिति में सघन पौधरोपण का कार्य किया गया. कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा द्वारा सुव्यवस्थित पौधरोपण के कार्यक्रम की सराहना की और कहा किप्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए एकदृएक पौधे सभी के द्वारा लगाया जाना चाहिए और कहा कि पर्यावरण के प्रति सबको सजग एवं जागरूक होने की जरुरत है. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाडेकर एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने पौधरोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करने पौधों को संरक्षित करने की आवश्यकता है. इस अवसर परमहाविद्यालय परिसर को हरा भरा करने हेतु विविध प्रकार के शोभाकारी पौधों एवं औषधी पौधों का रोपण किया गया. इस कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र के विभागाध्याक्ष डॉ. अनिता महिश्वर, सहायक प्राध्यापक डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, मोहित साहू एवं एमएससी वनस्पति शास्त्र पूर्व व अंतिम के विधार्थी उपस्थित थे. दिग्विजय महाविद्यालय के गार्डन विकास समिति के संयोजक डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. केशव राम आडिल, हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर, लेखा प्रसाद उर्वासा, संजय देवांगन, वंदना मिश्रा, श्रीमती करुना रावटे ने इस पौध रोपण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता दी.

दिग्विजय परिसर हरा-भरा होगा

एक-एक पौधे जरूर लगाए-कुलपति-पल्टा

राजनांदगांव। दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के सहयोग से महाविद्यालय परिसर में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव की उपस्थिति में पौधरोपण का कार्य किया गया। कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा पौधरोपण के कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए एक-एक पौधे सभी के द्वारा लगाया जाना चाहिए और कहा कि पर्यावरण के प्रति सबको सजग एवं जागरूक होने की जरुरत है।

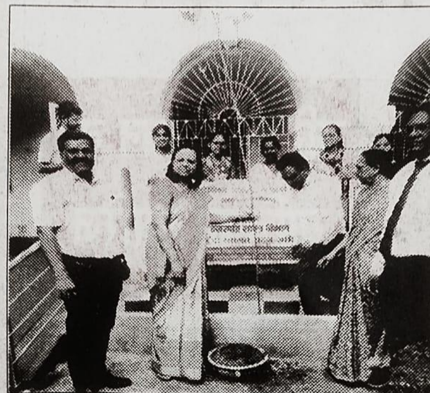

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाडेकर एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने पौधरोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करने पौधों को संरक्षित करने की आवश्यकता है । इस अवसर परमहाविद्यालय परिसर को हरा भरा करने हेतु विविध प्रकार के शोभाकारी पौधों एवं औषधी पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में वनस्पति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिश्वर, सहायक प्राध्यापक डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, श्रीमोहित साहू एवं एमएससी वनस्पति शास्त्र पूर्व व अंतिम के विधार्थी उपस्थित थे।

❦ वनस्पति शास्त्र विभाग में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस ❦

विगत दिनों दिनांक 27/09/2023 शा. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर के निर्देशन में विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिलोक देव ने किया जिसमे उन्होंने पर्यटन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपनी बातों को छात्र-छात्राओं को बताया, जिसमें पर्यटन दिवस क्यों मनाया जाता है, पर्यटन के लाभ तथा पर्यटन की आवश्यकताओं जैसे विषय शामिल थे । इन्होने बताया कि पर्यटन दिवस लोगों में पर्यटन के प्रति जागरूकता लाने और लोगों में ज्यादा से ज्यादा पर्यटन को बढ़ाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के द्वारा 1980 में की गई थी। इसके अतिरिक्त इन्होने बताया कि दुनिया भर में पर्यटन से सामाजिक सांस्कृतिक राजनीतिक और आर्थिक मूल्य पर निश्चित रूप से प्रभाव पड़ता है।

डॉ. अनिता महिस्वर ने विश्व पर्यटन दिवस में पर्यटन का उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी दी | पर्यटन ही वह माध्यम है जिससे अलग-अलग संस्कृति से लोगों को जोड़ने और जानने का अवसर मिलता है। पर्यटन ग्रामीण एवं बड़े शहरों में खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं । इस पर्यटन दिवस के अवसर पर एमएससी प्रीवियस एवं फाइनल ईयर के विद्यार्थियों नेम कुमार, खुशाल चंद तथा उषा साहू ने पर्यटन से संबंधित अपने विचार रखें और छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दी | अंत में विभागाध्यक्ष ने पर्यटन से संबंधित अपने पुरी (उड़ीसा) शैक्षिक भ्रमण का अनुभव साझा किया की किस प्रकार छत्तीसगढ़ की वनस्पति, खान-पान, जलवायु एवं संस्कृति पुरी (उड़ीसा) से अलग है |

कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ, किरण जैन, मोहित साहू एवं एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे |

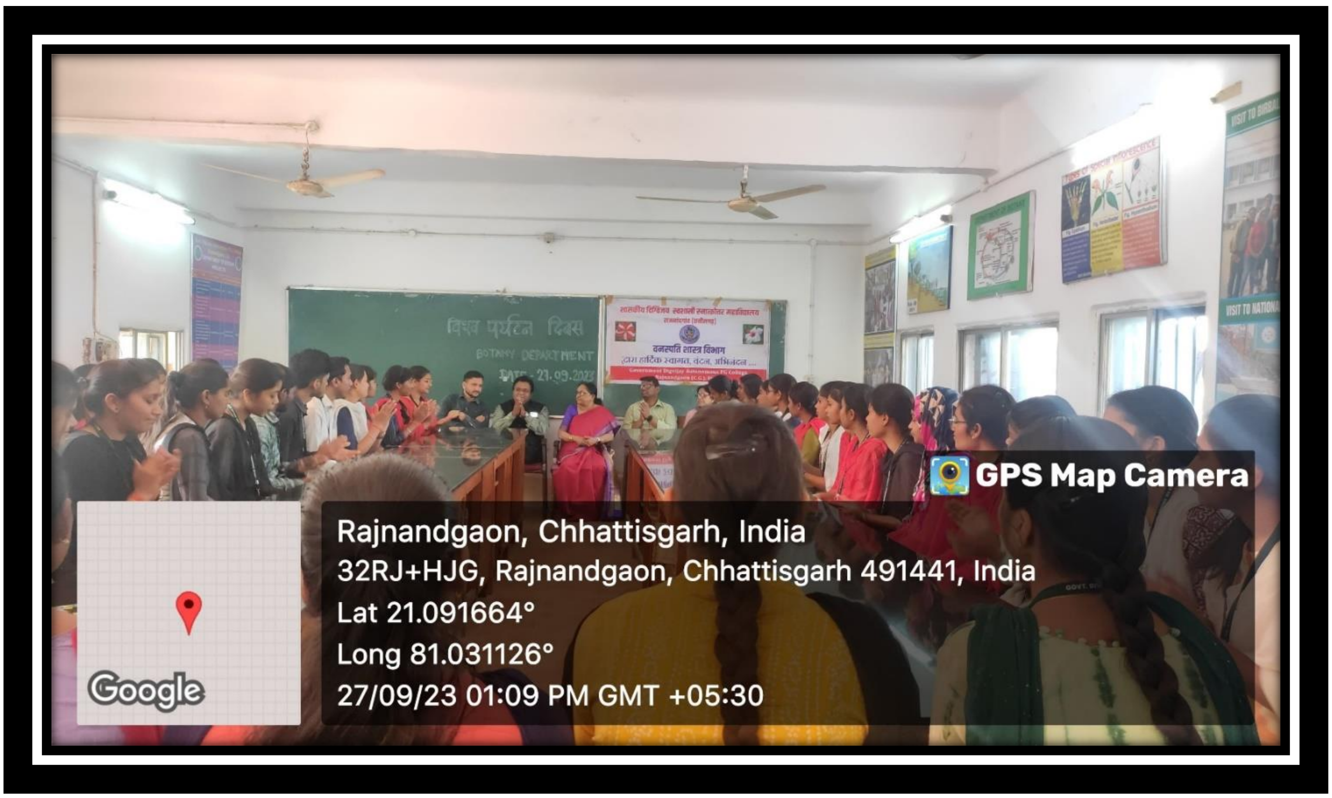

दिग्विजय महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग में मनाया गया विश्व पर्यटन दिवस

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। शा. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर के निर्देशन में विश्व पर्यटन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिलोक देव ने किया जिसमे उन्होंने पर्यटन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपनी बातों को छात्र-छात्राओं को बताया, जिसमें पर्यटन दिवस क्यों मनाया जाता है, पर्यटन के लाभ तथा पर्यटन की आवश्यकताओं जैसे विषय शामिल थे । इन्होने बताया कि पर्यटन दिवस लोगों में पर्यटन के प्रति जागरूकता लाने और लोगों में ज्यादा से ज्यादा पर्यटन को बढ़ाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के द्वारा 1980 में की गई थी। इसके अतिरिक्त इन्होने बताया कि दुनिया भर में पर्यटन से सामाजिक सांस्कृतिक राजनीतिक और आर्थिक मूल्य पर निश्चित रूप से प्रभाव पड़ता है। डॉ. अनिता महिस्वर ने विश्व पर्यटन दिवस में पर्यटन का उद्देश्य एवं महत्व के बारे में जानकारी दी । पर्यटन ही वह माध्यम है जिससे अलग-अलग संस्कृति से लोगों को जोड़ने और जानने का अवसर मिलता है। पर्यटन ग्रामीण एवं बड़े शहरों में खासकर महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं । इस पर्यटन दिवस के अवसर पर एमएससी प्रीवियस एवं फाइनल ईयर के विद्यार्थियों नेम कुमार, खुशाल चंद तथा उषा साहू ने पर्यटन से संबंधित अपने विचार रखें और छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दी द्य अंत में विभागाध्यक्ष ने पर्यटन से संबंधित अपने पुरी (उड़ीसा) शैक्षिक भ्रमण का अनुभव साझा किया की किस प्रकार छत्तीसगढ़ की वनस्पति, खान-पान, जलवायु एवं संस्कृति पुरी (उड़ीसा) से अलग है ।

वनस्पति शास्त्र विभाग में मनाया गया "शिक्षक दिवस"

विगत दिनों 5 सितंबर 2023 को वनस्पति शास्त्र विभाग में दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन एवं विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अनीता महेश्वर के निर्देशन में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गया | यह कार्यक्रम एमएससी वनस्पति शास्त्र के विधार्थियो द्वारा मनाया गया | कार्यक्रम का संचालन एम् एस सी अंतिम के विद्यार्थी भानु एवं तेजेश्वनी द्वारा किया गया | प्राचार्य महोदय ने बताया कि प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को पूर्व राष्टपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर शिक्षको के प्रति सम्मान प्रकट करने के भारत भर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है | इसके अतेरिक्त उन्होंने बताया कि गुरु का हर किसी के जीवन में बहुत महत्व होता है एवं समाज में भी उनका एक विशिष्ट स्थान होता है | विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अनीता महिस्वर ने जीवन में गुरु का महत्व बताते हुए अपने जीवन में गुरु का महत्त्व बताया | माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों का भी गुरु के रूप होते है एवं उनके जीवन में क्या महत्व होता है उस पर प्रकाश डाले | इस कार्यक्रम में सभी प्राध्यपक गण एवं पीजी के विद्यार्थियो ने भी अपने विचार साझा किए | एम् एस सी विद्यार्थि भानु उइके, तेजस्विनी ध्रुवे, नेम कुमार साहू, अतुल बोरकर, प्रतिमा, लोकेश्वर इस अवसर पर भाषण एवं कविता प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक गण डॉ. त्रिलोक देव, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, व श्री मोहित साहू उपस्थित थे |

वनस्पति शास्त्र विभाग में मनाया गया “विश्व खाद्य दिवस”

वनस्पति शास्त्र विभाग में दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष एवं अन्य प्राध्यापक गण के साथ-साथ एमएससी प्रथम एवं अंतिम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे | कार्यक्रम का संचालन डॉ. त्रिलोक कुमार ने किया। डॉ. त्रिलोक ने बताया कि विश्व खाद्य दिवस क्यों मनाया जाता हैं इसके क्या-क्या लाभ हैं एवं उसके उद्देश्य क्या है। इस खाद्य दिवस के अवसर पर एमएससी अंतिम की छात्रा तेजस्विनी धुर्वे ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 16 अक्टूबर 1945 को रोम में खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना की तथा वर्ष 2023 में इस दिवस की थीम को बताया कि “जल ही जीवन है जल ही भोजन है” भोजन के प्रति लोगों में जागरूकता कैसे विकसित किया जाए तथा इसके महत्व को भी बताया। इसके पश्चात भानु ऊके ने अपना विचार व्यक्त किया और बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार (वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2023) विश्व में प्रतिवर्ष 36 मिलियन व्यक्ति की मृत्यु भुखमरी के कारण होती है वैश्विक स्तर पर खाद्य के महत्व को बताते हुए बताया कि प्रतिवर्ष औसतन 74kg भोजन प्रत्येक परिवार से बर्बाद होता हैं UNEP के अनुसार 93.1 लाख टन भोजन 2021 में पूरे विश्व में कचरे में समा गया साल ।2023 की भुखमरी सूचकांक में भारत 125 देश में से 111 स्थान पर है इसके साथ ही भानु ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में भोजन की बर्बादी के क्या-क्या नुकसान हो सकता है।

तत्पश्चात खुशाल चंद साहू ने बताया कि राष्ट्र एवं विश्व के स्तर पर चल रही विभिन्न योजनाओं के द्वारा भुखमरी व कुपोषण के बचाव से संबंधित जानकारियां दी। पीएम पोषण योजना(मिड डे मील), ईट राइट चैलेंज ,फ़ूड सेफ्टी मित्र स्कीम, मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना के बारे में अपना विचार दिया इसके साथ राज्य खाद्य सुरक्षा सूचकांक में FSSAI के महत्व को बताया | कार्यक्रम के अंत में विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महेश्वर ने बताया कि लोगों में भोजन के प्रति किस तरह जागरूकता फैलाया जाए वर्ष 2023 में चल रहे खाद्य योजनाओं से संबंधित जानकारियां दी | पारंपरिक अनाजों जैसे कोदो, कुटकी, बाजरा, जई, रागी इत्यादि के महत्व से संबंधित जानकारियां दी, जो की शारीरिक व मानसिक विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है भोज्य पदार्थों के उत्पादन के पश्चात उचित संग्रहण एवं संरक्षण कैसे किया जाना चाहिए इससे संबंधित जानकारियां एवं सावधानियां को बताया | कार्यक्रम के अंत में प्रोत्साहन राशि स्वरूप अच्छे वक्तव्य के लिए भानु उईके को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक गण डॉ. त्रिलोक देव, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव राम आडिल, डॉ. किरण जैन, व श्री मोहित साहू उपस्थित थे |

डॉ. हरगोबिंद खुराना जयंती

आज दिनांक 09/01/2024 को हमारे वनस्पति शास्त्र विभाग में डॉ. हरगोबिंद खुराना जयंती मनाया गया। इस अवसर पर हमारे विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता महिस्वर एवम समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे। संचालक संचालक देव सर द्वारा डॉक्टर हरगोविंद खुराना जयंती के अवसर पर उनसे जुड़ी रोचक बातें एवं उनके आविष्कारों को बताया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों में एमएससी सेकंड सेमेस्टर के अतुल बोरकर ने सबके समक्ष उनके रिसचर्स एवं सम्मान जैसे 1967 में अमेरिकन अकैडमी ऑफ आर्ट्स एंड साइंस 1973 में अमेरिकन फिलोसॉफिकल सोसाइटी 1966 में यूनाइटेड स्टेट नेशनल अकैडमी आफ साइंस के सदस्य के रूप में चुना। इनके अलावा खुराना फेलोशिप और खुराना स्कॉलरशिप के बारे में बताया जो भारत सरकार द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों को दिया जाता है। इसके बाद प्रतिभा यादव एमएससी सेकंड सेमेस्टर की छात्रा ने डॉक्टर हरगोविंद खुराना के जीवन परिचय जन्म मृत्यु से लेकर नोबेल प्राइज किस कार्य के लिए मिला इसकी जानकारी दी। प्रतिभा ने बताया कि डॉक्टर खुराना ने बीएससी एमएससी की शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिए भारत सरकार द्वारा स्कॉलरशिप पर लिवरपूल लंदन गए थे। यह रोजरवेयर के निर्देशन में पी एचडी शुरू किया तथा 1948 में एचडी पूर्ण की। उन्होंने रसायन के क्षेत्र में अपना योगदान दिया। उन्हें कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में दाखिला मिला जहां वे नोबेल प्राइज विजेता अलेक्जेंडर टॉट के साथ काम किया। यहां उन्होंने पेप्टाइड और न्यूक्लियोटाइड पर महत्वपूर्ण शोध किया। खुराना ने कोलंबिया रिसर्च काउंटर में केमिस्ट्री विभाग के निर्देशक के पद पर काम करते हुए अपना शोध पूरा किया। डीएनए डबल हेलीकल स्ट्रक्चर पर विभिन्न प्रकार के न्यूक्लियोटाइड होते हैं। जो नई सेल की रासायनिक स्ट्रक्चर और कार्य को निर्धारित करते हैं। इनका बायोकेमेस्ट्री व बायो टेक्नोलॉजी में इस्तेमाल किया जाता है। रॉबर्ट हॉले नीरेनब्बर्ग एवं खुराना को संयुक्त रूप से चिकित्सा एवं कार्यिकी का नोबेल प्राइज मिला। इसके पश्चात एमएससी फोर्थ सेम के उषा साहू ने अपने विचार रखें। साथ ही एमएससी फोर्थ सेमेस्टर के नेम कुमार साहू ने भी अपने विचार रखें। डॉक्टर खुराना के अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया। इन्होंने अलेक्जेंडर के साथ न्यूक्लिक एसिड पर शोध किया। एंजाइम अनुसंधान पर शोध किया। जिन की डिकोडिंग और प्रोटीन सिंथेसिस पर कार्य किया। वर्ष 1972 में डॉक्टर खुराना ने विश्व में पहला कृत्रिम जिन का निर्माण किया। खुराना ने अनुवांशिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति की नींव रखी। भारत सरकार द्वारा पदम भूषण पद्मश्री से सम्मानित किया गया। MIT में जीव विज्ञान एवं रसायन के प्रोफेसर के रूप में नियुक्त रहे एवं 2007 में सेवा निवृत तक कार्य किया 4 नवंबर 2011 को इनका निधन हुआ। अंत में विभागाध्यक्ष मैडम द्वारा उत्कृष्ट भाषण पर नेम कुमार को पुरस्कृत किया एवं कार्यक्रम का समापन किया।

सर जगदीश चंद्र बोस जयंती समारोह

आज दिनांक 30/ 11 /2023 को वनस्पति शास्त्र विभाग में सर जगदीश चंद्र बोस जयंती समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम विभाग की विभाग अध्यक्ष मैडम द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर सर जी का तिलक लगाकर स्वागत किया तत्पश्चात प्राचार्य एवं प्राध्यापको के द्वारा मां सरस्वती एवं सर जगदीश चंद्र बोस के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए हमारे महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय एवं वनस्पति शास्त्र विभाग की विभाग अध्यक्ष मैडम एवं डॉ. त्रिलोक देव सर जी के द्वारा सर जगदीश चंद्र बोस के जीवन एवं उपलब्धियो के बारे में बताया गया एवं हमें संबोधित किया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित वनस्पति विभाग के पूर्व एवं अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे जिसमें जगदीश चंद्र बोस के बारे में बताया गया जिसमें जिसमें एमएससी अंतिम वर्ष से जमुना चंद्रवंशी खुशाल चंद साहू उषा साहू एवं एमएससी प्रथम वर्ष से खुशांत वर्मा ने कार्यक्रम में अपना विचार व्यक्त किया।

इसके उपरांत कार्यक्रम समापन की गति में हमारे विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा वनस्पतिशास्त्र विभाग को सर जगदीश चंद्र बोस की छायाचित्र का सप्रेम भेंट प्रदान किया गया कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापकगण डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. केशव आडिल, डॉ. किरण जैन, मोहित साहू उपस्थित रहें तथा प्रथम एवं अंतिम वर्ष के समस्त छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

वनस्पति शास्त्र विभाग की छात्रा कु. भानु उइके को मिला भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

दिनांक 01/02/2024 को दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ द्वारा "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ : इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित हुई | भाषण प्रतियोगिता जिसका शीर्षक "**बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ**" था में वनस्पति शास्त्र विभाग की छात्रा कु. भानु उइके ने प्रथम स्थान प्राप्त किया | इसी कड़ी में दिनांक 2 फरवरी 2024 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें वनस्पति शास्त्र विभाग की छात्राओं कु. उषा साहू , कु. टिंकल पिस्दा, कु. भानु उइके, और कु. मनीषा साहू को पुरस्कार प्राप्त हुआ | इस कार्यक्रम में अधिकारी कु. रीना ठाकुर, विद्या मिश्रा, श्री किशन देवांगन व डॉ. मोनिका ठाकुर तथा विभाग से डॉ. किरण जैन उपस्थित थे |

वनस्पति शास्त्र विभाग में विद्यार्थी बुक बैंक योजना कार्यक्रम

सत्र 2023-24 के एम. एस. सी. अंतिम सेमेस्टर के विधार्थियो द्वारा विद्यार्थी बुक बैंक योजना के अंतर्गत विभाग को संदर्भ बुक दिया गया हैं | शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय वनस्पति शास्त्र विभाग में दिनांक 28 मई 2024 को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विद्यार्थी बुक बैंक योजना कार्यक्रम रखा गया | इस योजना की शुरुवात वर्ष 2022 में महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा की गई हैं | इस योजना के तहत एमएससी अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियो के द्वारा विभाग को संदर्भ बुक दिया जाता हैं | गतवर्ष के समान इस वर्ष भी एमएससी अंतिम सैमेस्टर के विद्यार्थी, जमुना, कुशाल साहू, भानु उइके, उषा साहू, काजल, प्रीति, नेम कुमार, चूड़ामणि, धनेश, अजित, सीमा, यामिनी, रेणुका, एवं सभी विद्यार्थियो द्वारा 5 टैक्स्ट बुक लगभग ₹6000/ की विभाग के पुस्तकालय में प्रदान की गई | इस अवसर पर वनस्पति शास्त्र विभाग, शा. वी. वाय. टी, विज्ञानं महाविद्यालय, दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीराम कुंजाम अतिथि के रूप में उपस्तिथ थे |

वनस्पति शास्त्र विभाग का शैक्षणिक भ्रमण : पुरी

दिनाक 03/10/2023 को स्नात्कोत्तर कक्षा हेतु शैक्षणिक भ्रमण के लिए दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस से रवाना हुए | दिनाक 04/10 2023 को पुरी पहुचे, भ्रमण दल में सदस्यों कि संख्या 30 थी | भ्रमण दल का नेतृत्व डॉ. अनिता महिस्वर ने किया, दल के सदस्य सिद्ध महावीर गेस्ट हाउस, पुरी में रुके जहा 7 कमरे पहले से आरक्षित किए गए थे |

मंदिर के बाहर प्रसाद इत्यादि कि खरीद दारी कर रात्रि भोजन के पश्चात् गेस्ट हाउस पहुच कर आराम किया ।

दिनाक 05/10/2023 को भ्रमण दल सुबह 8 बजे बस से कोणार्क सूर्य मंदिर देखने और अवलोकन करने निकला | रास्ते में चंद्रभागा नदी का आनंद लिया और केशु फारेस्ट और कैजूरैना फारेस्ट का अवलोकन

किया | चंद्रभागा नदी जहा समुन्द्र से मिलती है वहा का पानी नीला था |इसके पश्चात् 9 बजे सभी ने सुबह का नास्ता किया और कोणार्क मंदिर प्रवेश का टिकट ले कर, कोणार्क मंदिर देखने गए | यहाँ गाइड ने कोणार्क सूर्य मंदिर का इतिहास बताया, विभिन्न कथाये बताई | विधार्थियो ने मंदिर के चारो तरफ घूम घूम कर तश्विरे ली और वापसी में नारियल पानी का आनंद लिया|

दिनाक 05/10/2023 को ही भ्रमण दल ने धवलगिरी देखा और इसका इतिहास जाना यह स्मारक कलिंगा युद्ध कि याद में बनाया गया है | यहाँ बौद्ध धर्म के अनुययियो कि बहुत भीड़ थी | यहाँ चारो दिशाओ में भगवान बुद्ध कि विभिन्न मुद्राओ में प्रतिमाए बनी हुई है | यहाँ विद्यार्थियो ने भगवान बुद्ध के दर्शन किए और केसू फारेस्ट तथा विभिन्न मसाले जैसे लौंग, इलाइची, दालचीनी, छबीला, कालीमिर्च इत्यादि के पौधे तथा वनस्पतियो कि विभिन्न प्रजाति भी देखा |

इसके पश्चात् 1 बजे भ्रमण दल भुवनेश्वर पंहुचा | यहाँ लिंगराज मंदिर के दर्शन किए, इस मंदिर के चारो ओर बहुत सारे छोटे छोटे मंदिर थे जिनमे विधार्थियो को अनुक्रमण (sucession) दिखा इन मंदिरों में pteridophyta वनश्पति बहुतायत में दिखाई दी मंदिर के पत्थर को तोड़ने का काम कर रही है | अर्थात वहा xerosere क्षरण शुरू हो चूका है |

करीब 3 बजे भ्रमण दल कटक नन्दन कानन वन पंहुचा | यहाँ विद्यार्थियो ने लुप्तप्राय वनस्पतिया एवं जंतु देखे |यहाँ जन्तुओ में एमु, वाइट टाइगर, बंगाल टाइगर, जेब्रा, जीराफ, लायन, भालू, विभिन्न प्रकार के घड़ियाल, मगरमच्छ, सांफ, चिड़िया कि विभिन्न प्रजातीया देखि | वनस्पतियो में Cupresuss, Justicia cymosa, Nyctejaneceae, Euphorbeceae, cesalpinodi, Achantheceae, Verbanaceae, Cleorodendron, Apocinaceae, प्लांट्स देखे एवं इनका अध्ययन किए |

भ्रमण दल शाम 8:30 बजे बस से भुवनेश्वर से पुरी वापस आया और रात्रि भोजन के पश्चात् विश्राम हेतु गेस्ट हाउस चले गए |

दिनाक 06/10/2023 को 8 बजे भ्रमण दल बस से चिल्का झील के लिए रवाना हुआ | रास्ते में नाश्ता किया और चाय इत्यादि का आनंद उठाया क़रीब 10 बजे भ्रमण दल चिल्का झील पहुँचा पूरे रास्ते भर कैजूरैना फ़ॉरेस्टर था जिसका विद्यार्थियों ने अवलोकन किया |

बोट कि सहायता से भ्रमण दल सी माउथ पंहुचा जहा पर झील समुन्द्र में जा कर मिलती है झील में ही विद्यार्थियो नेरेड क्रैब देखा तथा डोल्फीन फिश कि एक्टिविटी भी देखि | यहाँ एक्वेटिक फ़्लोरा देखने मिला जिसमे बहुत अधिक विविधिता थी, चारो ओर casurina फारेस्ट था जिसका विद्यार्थियोसे अध्ययन किया करीब 4 बजे फिर से अपनी बस में वापस 5: 00 बजे पुरी तक पहचे |

यहाँ पुरी में जगन्नाथ मंदिर के मुहाने में पहुचे तथा यहाँ सभी ने ध्वज पताका बदलने का तरीका भी देखा जो 5:30 बजे होता है मंदिर के बाहर यह देखने के लिए मेला लगा रहता है जहा विभिन्न प्रान्तों, राज्यों से लोग दर्शन हेतु आते है| सभी ने फिर से प्रसाद और विभिन्न सामानों कि खरीददारी कि, करीब 8 बजे भ्रमण दल वापस गेस्ट हाउस आये |

यहाँ सभी ने डिनर लिया फिर सभी रात के नज़ारे का आनंद लेने पुरी गोल्डन बीच गए जहा रात में दिवाली जैसा माहोल रहता है रात में समुद्र में उतरने कि मनाही थी सभी बीच से कौड़ी शंख और इससे बनी चीजे खरीदी | 11 बजे वापस गेस्ट हाउस आकर सबने आराम किया |

दिनाक 07/10/2023 को सुबह भ्रमण दल फिर से पुरी गोल्डन बीच पहुच गया, यहाँ फिर से पुरी सभी ने स्नान और समुद्र का आनंद लिया | सभी स्वर्गद्वार भी पहुचे तथा भरपूर शौपिंग किए अपने घर के लोगो के लिए खरीददारी कि तत्पश्चात 1: 00 बजे लंच लिया और गेस्ट हाउस में आराम कर अपने सामान कि पैकिंग

इत्यादि कि भ्रमण दल वापसी के लिए 5:00 बजे पुरी से रेल्वे स्टेशन को निकला क्योंकि हमारी ट्रेन शाम को 7:00 बजे थी |

जिसने हमें राजनांदगांव 08/10/2023 को 12:00 बजे पहुचाया | इस तरह वनस्पति शास्त्र विभाग कि शैक्षणिक भ्रमण यात्रा सफल रही |

विस्तार गतिविधि

विस्तार गतिविधि एवं MOU गतिविधि के अंतर्गत शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा माइक्रोबायोलोजिस्ट सोसायटी इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाI यह प्रतियोगिता अंतर विद्यालय एवं अंतर महाविद्यालय स्तर पर आयोजित हुई अंतर विद्यालय रंगोली प्रतियोगिता का विषय Microbial Diseases तथा अंतर महाविद्यालय रंगोली प्रतियोगिता का विषय Viral Diseases था इस कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य सभी जनों में सूक्ष्म जीवों तथा विषाणु द्वारा होने वाले रोगों की जानकारी देना एवं इन रोगों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना हैI साथ ही साथ विद्यार्थियों में रचनात्मक गुणों का विकास करना है एवं उनमे कौशल का विकास करना हैI

इस जागरूकता कार्यक्रम में निम्नलिखित 5 संस्थाओं के साथ MOU गतिविधि/ विस्तार गतिविधि का संपादन हुआ:

1. माइक्रोबायोलोजिस्ट सोसायटी इंडिया
2. शासकीय कमला देवी राठी पी जी महाविद्यालय, राजनांदगांव
3. शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव
4. कांफ्लुएंस कॉलेज राजनांदगांव
5. रॉयल कॉलेज राजनांदगांव

इस जागरूकता कार्यक्रम में निम्नलिखित 5 संस्थाओं के साथ विस्तार गतिविधि का संपादन हुआ:

1. नीरज पब्लिक स्कूल राजनांदगांव
2. वेसलियन इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव
3. वेसलियन हिंदी मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव
4. शासकीय माडल बहु. हायर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव
5. शासकीय एम.एल.बी. हायर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव

इस प्रकार से कुल 10 संस्थाओं के साथ MOU गतिविधि/ विस्तार गतिविधि का सफलता पूर्वक आयोजन हुआ जिसमे 314 प्रतिभागियों ने सहभागिता दीI

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College
RAJNANDGAON (C.G.)
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RJ+H58, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091416°
Long 81.030683°
26/08/23 12:23 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RJ+H58, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091416°
Long 81.030683°
25/08/23 04:22 PM GMT +05:30
Google

"दिग्विजय महाविद्यालय में शुरु हुआ बायोमटेरियल एवं नैनोफाइबर पर रिसर्च"

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगाँव में वनस्पति शास्त्र विभाग में डॉ. केशव राम आडिल, सहायक प्राध्यापक को अनुसंधान राष्ट्रीय रिसर्च फाउंडेशन (ANRF) - साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (SERB) नई दिल्ली से SURE योजना के अंतर्गत प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है | जिसके अंतर्गत इलेक्ट्रोस्पिन्निंग उपकरण जिससे नैनो फाइबर बनाया जाता है, अब दिग्विजय महाविद्यालय में स्थापित हो गया हैं | जिसका उद्‌घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर द्वारा किया गया | इस अवसर पर प्राचार्य मैडम ने डॉ. केशव को बधाई दी एवं इसी तरह रिसर्च में और अच्छा काम करते रहने के लिए प्रेरित किया | इस प्रोजेक्ट में डॉ. आडिल बायोमैटिरियल से नैनोफाइबर स्कैफोल्ड बनाइगे, जिसका उपयोग ऊतक अभियांत्रिकी में किया जाएगा | डॉ. आडिल ने बताया कि इस मशीन के आने से नैनो टेक्नोलॉजी एवम नैनो फाइबर के रिसर्च को छत्तीसगढ़ में बढ़ावा मिलेगा तथा दिग्विजय एवं अन्यं महाविद्यालय के प्रध्यापक एवम विधार्थी भी नैनो फाइबर के क्षेत्र में रिसर्च कर सकते है | इस नैनोफाइबर का उपयोग ऊतक अभियांत्रिकी में जो की उत्तक बनाने की तकनीकों का समूह है जिसका उद्देश्य मानव शरीर के कार्यों की मरम्मत एवम सुधार करना है | इसके अतरिक्त नैनो फाइबर का उपयोग पर्यावरण, बायो सेंसर तकनीक, ऊर्जा संरक्षण, एनर्जी स्टोरेज बैटरी, एंटीमाइक्रोबियल फैब्रिक, मास्क, ड्रग डिलीवरी, एवम ड्रेसिंग मैटेरियल में कर सकते है | विभाग कि विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता महिस्वर ने इस अवसर में कहा की ये हमारे और महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है, उन्होंने जानकारी दी की इस तरह की रिसर्च सुविधा छत्तीसगढ़ के किसी महाविद्यालय एवं संस्था में नहीं है | लेकिन अब इस मशीन के आ जाने से अब इस क्षेत्र में काम करने वाले रिसर्चर को राज्य से बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेंगी | इस अवसर पर महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक परघनिया, विभाग से डॉ. त्रिलोक कुमार, डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. किरण जैन, एवम अन्य विभाग के प्रध्यापक गण, शोधार्थी एवम एमएससी वनस्पति शास्त्र के विद्यार्थी उपस्थित थे | इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण एवं कर्मचारियो ने डॉ. आडिल को बधाई दिया |

वनस्पति शास्त्र विभाग में इलेक्ट्रोस्पिन्निंग उपकरण का उद्घाटन कार्यक्रम

****